UP Board Solutions for Class 6 History Chapter 4 वैदिक काल

(1500 ई०पू० से 600 ई०पू०)

अभ्यास

प्रश्न 1.
आर्यों के बारे में आप क्या जानते हैं ? लिखिए।
उत्तर :
आर्य का अर्थ होता है- श्रेष्ठ। प्रारंभ में आर्य इधर-उधर घूमते रहते थे। वे कबीलों में रहते थे। वे गाय, घोड़ा, बैल आदि पालते थे। चारा, पानी तथा उपजाऊ भूमि की तलाश में वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते थे। जहाँ चारा तथा उपजाऊ भूमि मिलती थी, वहीं बस जाते थे। इस प्रकार आर्य समूह में आए और नए-नए स्थानों पर बसते गए। लगभग 1200 ई०पू० से. 1000 ई०पू० तक आर्य: सिंधु, सतलज, व्यास और सरस्वती नदी के किनारे बस गए।

प्रश्न 2.
वैदिक सभ्यता को आर्य सभ्यता क्यों कहते हैं ?
उत्तर :
वैदिक सभ्यता के निर्माता, आर्य ही थे, इसलिए वैदिक सभ्यता को आर्य सभ्यता कहा जाता है।

प्रश्न 3.
खेती का विकास हो जाने के बाद आयों के जीवन में क्या परिवर्तन हुआ ?
उत्तर :
खेती का विकास हो जाने के बाद आर्यों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए। अब आर्य जौ के साथ गेहूँ, धान, दाल आदि उगाने लगे और कृषि उनका मुख्य व्यवसाय बन गया।

प्रश्न 4.
आयों की सामाजिक व्यवस्था कैसी थी ?
उत्तर :
आर्यों की सामाजिक व्यवस्था में समाज का आधार परिवार था। परिवार का वरिष्ठ सदस्य इसका मुखिया होता था, जिसको कुलप या गृहपति कह जाता था। आरंभ में आर्य तीन वर्षों में विभाजित थे। राजा, पुरोहित तथा अन्य जन। यह विभाजन उनके व्यवसाय पर आधारित था। धीरे-धीरे यज्ञ करवाने वाला ब्राह्मण, युद्ध करनेवाला क्षत्रिय, व्यापार करनेवाला वैश्य कहलाने लगा। साथ ही चौथा वर्ण शूद्र भी आया जो युद्ध में हारे हुए लोग थे। यह व्यवस्था धीरे-धीरे कठोर होती गई। कार्य का स्वरूप वंशानुगत होता गया। महिलाओं को समाज में उच्च स्थान प्राप्त था, वे पुरूषों के समान ही शिक्षा प्राप्त करती थीं। आर्यों का घर घास-फूस तथा मिट्टी के बने होते थे। आर्य दूध एवं उससे बने पदार्थ का प्रयोग करते थे। अनाज में वे जौ, गेहूँ, चावल का प्रयोग करते थे।

प्रश्न 5.
वैदिक कालीन शिक्षा व्यवस्था का वर्णन कीजिए ?

उत्तर :
विद्यार्थी गुरूकुल में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। वेदों के साथ गणित, ज्यामिती, ज्योतिष, भूगोल, सैन्य विज्ञान तथा शिल्प आदि की शिक्षा दी जाती थी।

प्रश्न 6.
संक्षिप्त उत्तर लिखिए –

(क) आश्रम व्यवस्था
(ख) सभा एवं समिति
(ग) आर्यावर्त
(घ) राजा के कर्तव्य

उत्तर :

(क) आश्रम व्यवस्था – प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को व्यवस्थित करने के लिए आर्यों ने जीवन को चार अवस्थाओं में बाँट दिया था – ब्रह्मचर्य,गृहस्थ,वानप्रस्थ,संन्यास
(ख) सभा एवं समिति – राजा पर नियंत्रण रखने के लिए सभा और समिति नामक संस्थाएं थीं। जिसमें 70-80 लोग मिलकर समस्याओं को सुलझाते थे।
(ग) आर्यावर्त – हिमालय से विन्ध्याचल पर्वत तक का क्षेत्र आर्यावर्त कहलाता है।

(घ) राजा के कर्तव्य – राजा का प्रमुख कार्य लोगों की रक्षा करना तथा युद्ध में सेना का नेतृत्व करना था।

प्रश्न 7.
रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –

(क) प्रसिद्ध गायत्री मंत्र **ऋग्वेद** में है।
(ख) सप्तस्वर स, रे, ग, म का उल्लेख **सामवेद** में मिलता है।
(ग) आर्यों की भाषा **संस्कृत** थी।
(घ) महाभारत की रचना महर्षि वेदव्यास ने की है।

प्रश्न 8.
निम्नलिखित वाक्यों में सही **(✓)** और गलत **(✗)** का निशान लगाइए।

(क) ब्रह्मचर्य आश्रम में बालक शिक्षा ग्रहण करता था। **(✓)**
(ख) लोहे की खोज उत्तर वैदिक काल में हुई। **(✓)**
(ग) अथर्ववेद सबसे प्राचीन वेद है। **(✗)**
(घ) आर्यों की भाषा वैदिक संस्कृत थी। **(✓)**

प्रोजेक्ट वर्क –

- आधुनिक समय के विद्यालय तथा वैदिक कालीन विद्यालय (गुरूकुल) में क्या समानताएँ तथा असमानताएँ हैं? शिक्षक की सहायता से सूची बनाइए।

https://www.evidyarthi.in/

- निम्नलिखित वस्तुओं से दैनिक उपयोग की क्या-क्या समान बनाए जाते हैं।

वस्तु	समान
लोहा	तवा और अन्य बर्तन, हथियार, वाहन, औजार इत्यादि।
लकड़ी	फर्नीचर, मकान की खिड़की-दरवाजा इत्यादि।
ताँबा	बर्तन, सजावटी सामान, मूर्ति, आदि।
कच्ची मिट्टी	बरतन, मूर्ति, आदि।